JAIN ACHARYA SAMRAT
DR. SHIV MUNIJI MAHARAJ

SHRI VARDHMAN STHANAKVASI JAIN SHRAMAN SANGH
श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रमण संघ

Brief Introduction of the Shraman Sanghiy Sadhus-Sadhvis
श्रमण संघीय साधु साध्वी जी का संक्षिप्त विवरण

Date: 27-04-2017

1. Full Name (नाम): तत्व चिंतक श्री उतम मुनि जी म.सा.

2. Date of Birth (जन्म की तारीख): 23-03-1965

3. Place of Birth (जन्म स्थान): मुसीदाड़ा (क्षिमिरे) **Tehsil (तहसील):** पुतली बाज़ार
District (जिला): स्याअजा **State (राज्य):** गण्डकी अंचल (नेपाल)

4. Name of the Guru (गुरु / गुरुणी): पंडित जी श्री विचक्षण मुनि जी म.सा.

5. Grand Guru (दादा गुरु / गुरुणी): वाचनाचार्य श्री विशाल मुनि जी म.सा.

6. Sect of the Saint and Foremost Guru of the Sect (परम्परा तथा उनके शीर्ष गुरू): गुरु निहाल परिवार, पंजाब परम्परा, घोर तपस्वी श्री निहालचंद जी म.सा.

7. Period of Renunciation (वैराग्य काल): 1 वर्ष

8. Date of Diksha & Place (दीक्षा तिथी और स्थान): 26-04-1982, अक्षय तृतीया, सराय (उतर प्रदेश)

9. Diksha Mantra – Pradata (दीक्षा पाठ - प्रदाता): भीष्म पितामह तपस्वी रत्न श्री सुमति प्रकाश जी म.सा.

10. Disciples (शिष्य):

11. Grand – Disciples (पौत्र शिष्य):

12. Given Title (आपको अब तक मिली उपलब्धियां):

13. Religious Study (धार्मिक अध्ययन): जैन साहित्य, जैन सूत्र

14. Education (शैक्षणिक योग्यता): एम. ए. हिन्दी (साहित्य में) मानस गंगोत्री विश्व विघालय मैसूर

JAIN ACHARYA SAMRAT
DR. SHIV MUNIJI MAHARAJ

15. Did you Complete Ph. D. if yes write year & Name of University (क्या आपने पीएच डी पूर्ण किया है यदि हां वर्ष और विश्वविद्यालय का नाम):

16. In which Subject / Subject of research (किस विषय में / खोज का विषय):

17. Writing Work (आपके द्वारा लिखित सम्पादित साहित्य की सूची): जैन धर्म के उतम तत्व

18. Vicharan – Kshetra (विचारण क्षेत्र): उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, हिमाचल प्रदेश,

19. List of Places of Chaturmas (चातुर्मास विवरण तालिका):

वर्ष
1982 - उतर प्रदेश
1983 - दिल्ली
1984 - रोपड़
1985 - बड़ौत (उतर प्रदेश)
1986 - दिल्ली
1987 - धुले
1988 - के.जी.सी.
1989 - कोयंबटूर
1990 - चेन्नई
1991 - बेंगलोर
1992 - मैसूर
1993 - कोप्पल
1994 - जालना
1995 - घोदनदी
1996 - नासिक
1997 - अहमद नगर
1998 - बीड़
1999 - इचलकरंजी
2000 -
2001 -
2002 -
2003 -
2004 -
2005 -
2006 -
2007 -
2008 -
2009 -
2010 -
2011 -
2012 -
2013 -
2014 -
2015 -
2016 -
2017 -

20.आपकी प्रेरणा से संचालित संस्था का नाम, संस्था के पदाधिकारी का नाम, पद, शिक्षा, आयु व पता :

Religious Institution (धार्मिक संस्था):

Name, Designation, Education, Age and Address of the office bearers of the Institution
(संस्था के पदाधिकारियों का नाम पद शिक्षा आयु पता):

Ph. No. (दूरभाष / मोबाइल):

Social Institution (सामाजिक संस्था):

Educational Institution (शैक्षणिक संस्था):

21. Religious Achievements (धार्मिक उपलब्धियां):

22. Mention Tap Aradhana which are performed by you (आपके द्वारा अब तक की गई तप आराधनाएं): तेला, पचौला, अठाई आदि

23. Worldly Full Name (सांसारिक नाम): श्री ईश्वरी प्रसाद सुबेदी

24. Name of Brother & Sisters (भाई - बहन का नाम): श्री तारा प्रसाद जी, श्री हरिकांत जी, श्री तोम नारायण जी, श्री राम प्रसाद जी, श्री मित्रबंधु जी

25. Name of Worldly Parents (सांसारिक माता पिता का नाम): श्री मति लेवत देवी जी सुबेदी

26. Special Features of Worldly Dynasty (सांसारिक वंश की विशेष विशेषताएं): गोत्र - भारद्वाज, उपाध्याय, ब्राह्मण वंश - सुबेदी

27. Permanent Address (सांसारिक परिवार का स्थायी पता): मुसीदाड़ा ग्राम,पुतली बाज़ार,
नगर पालिका, वार्ड न. 10,
मुसीदाड़ा क्षिमिरे, जिला - स्याअजा
गण्डकी अंचल, नेपाल

Phone No. (मोबाइल नं.):
Email (ई - मेल):

28. Name of Diksha parents & address (धर्म के माता पिता का नाम व पता**):** श्री मान सुशील जी जैन

Phone No. (मोबाइल नं.):
Email (ई - मेल):

29. Contact No. & E-mail ID of the Person in Your Service (आपकी सेवा में रहने वाले सेवक का मोबाइल नम्बर ईमेल):

Phone No. (मोबाइल नं.):

JAIN ACHARYA SAMRAT
DR. SHIV MUNIJI MAHARAJ

Email (ई - मेल):

30. Message of the Saint (साधु साध्वी का संदेश): तप त्याग से जीवन मे निखार आ जाता है ।
कर्मो के बंधन रुक जाते है, आत्मा पवित्र बनती है ।
अत : यथाशक्ति तप त्याग को जीवन में स्थान देना चाहिए ।

Signature (हस्ताक्षर)

(Note : In order to accommodate complete details for any Sr. No., Please attaché a separate sheet mentioning the captioned item.) (नोट : पूर्ण सूचना का वर्णन करने के लिए अलग से पृष्ठ शीर्षक व क्रम संख्या लिखकर सलंग्न करे.)